1	2	3	4	5	6	
27	Mizoram	50	50	50	4818	307
28	Pondicherry	100	100	100	10042	2131

Source : Monthly Progress Reports received from 33 projects sanctioned in 1975-76 and 54 out of 67 projects sanctioned in 1978-79, which have become operational.

Note : 1167 anganwadis in 33 projects out of 50 sanctioned in 1979-80 have also been started, but detailed Monthly Progress Reports in respect of these projects have not yet started coming and therefore number of actual beneficiaries cannot be provided.

सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम और रेगिस्तान विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत पीने के पानी की व्यवस्था

3198. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन** क्या ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम और रेगिस्तान विकास कार्यक्रम में पीने के पानी की सप्लाई के कार्यक्रम को सम्मिलित नहीं किया है,

(ख) यदि हां, तो उस के क्या कारण है और इस से सम्बन्धित ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या इन रेगिस्तानी क्षेत्रों को, जहां कथित कार्यक्रम चलाया जा रहा है, पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है, और उन क्षेत्रों का मुख्य और मजबूत आर्थिक आधार पशुधन निर्धन पड़ता जा रहा है और पानी की सप्लाई के अभाव में पशुधन के सन्निकट पहुंच गए है, और

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार रेगिस्तानी क्षेत्रों के व्यक्तियों और पशुओं के लिए पानी की सप्लाई को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपरोक्त कार्यक्रमों में पीने के पानी की सप्लाई का कार्यक्रम भी सम्मिलित करेगी ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह राव) (क) और (ख). सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत पेय-जल कार्यक्रम को ग्रामीण जल आपूर्ति के विद्यमान कार्यक्रमों में संकटकालीन अन्तरालों को पूरा करने के लिए चयनात्मक आधार पर शामिल किया गया है। तथापि, इस कार्यक्रम को मरुभूमि विकास कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उस कार्यक्रम का उद्देश्य मरुस्थल को नियंत्रण में करना है। सामान्य राज्य योजनाओं के अलावा, पेय जल पूर्ति के लिए प्रावधान अन्य विशिष्ट कार्यक्रमों जैसे न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम तथा त्वरित ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत किए जाते है।

(ग) रेगिस्तानी क्षेत्रों में पीने के पानी की कमी है लेकिन राज्य सरकारें स्थिति का सामना करने के लिए उचित उपाय करती है। कभी कभी पशु शिविरों का आयोजन भी किया जाता है।

(घ) सरकार की नीति यह है कि रेगिस्तानी क्षेत्रों के लोगों तथा पशुओं के लिए पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाए। इसे विद्यमान कार्यक्रमों के माध्यम से किया जा सकता है। यदि अन्य पेय जल आपूर्ति कार्यक्रम आवश्यकता से कम हो तो मरुभूमि विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनात्मक आधार पर पेय जल आपूर्ति को वित्त देने के प्रश्न पर विचार किया जा सकता है।

Wheat and Rice Production

3199. SHRI A. NEELALOHITHADASAN NADAR: Will the Minister OF AGRICULTURE be pleased to state the total quantity of wheat and rice production during 1973-75, 1975-77 and 1977-79 in India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V SWAMINATHAN): Estimates of production of wheat and rice during the years 1973-75, 1975-77 and 1977-79 are given below.—

Production in Million Tonnes

Year	Wheat	Rice
1973-75 . .	45 48	83 63
1975-77 .	57 86	90 66
1977-79 . . .	65 73	106 50